हिन्दुस्तान 08-08-2014

एनएसआई का एकेडमिक माहौल बदला

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

- हर सप्ताह क्लास के बाहर चस्पा कर दी जाती है गैरहाजिर छात्रों की सूची
- हर क्लास की निगरानी अब सीसीटीवी कैमरों से, शिक्षकों पर भी नजर

नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) में अब छात्रों को क्लास बंक करना महंगा पड़ सकता है। सिर्फ छात्र ही नहीं शिक्षकों को भी कक्षाओं में वक्त से पहुंचना पड़ रहा है। नए सत्र से संस्थान ने एकेडमिक माहौल बनाने के लिए काफी बदलाव भी किए हैं। इससे बदलाव नजर भी आने लगा है।

छात्रों को कक्षाओं में पढ़ाई के साथ प्रयोगशालाओं में भी समय देना होता है। संस्थान के एकेडमिक स्तर को बेहतर बनाने के लिए नए सिरे से कवायद की गई है। यह इसलिए भी जरूरी हो गया था क्योंकि देश के कई राज्यों से यहां छात्रों ने प्रवेश लिए हैं और विदेशी संस्थानों ने भी रुचि दिखानी शुरू की है। संस्थान के अन्तरराष्ट्रीय दर्जे को बहाल करने के प्रयास के चलते अब किसी भी कोर्स में प्रवेश लेने वाले छात्र की उपस्थिति को सर्वाधिक महत्व दिया गया है।

गैर हाजिर रहे तो सूची में नाम दर्ज

हर सोमवार को संस्थान के हर कक्ष के बाहर एक लिस्ट लगा दी जाती है। इसमें यह दर्ज होता है कि कौन इस सप्ताह कब गैर हाजिर रहा? अगर गैर हाजिर रहने का कोई स्पष्ट कारण है तो वह भी यह लिस्ट देखकर जाना जा सकता है। अगर यूं ही गैर हाजिर चल रहा है तो सभी को इसकी जानकारी हो जाती है। लिस्ट लगने के बाद स्वयं सहपाठी गैर हाजिर छात्रों को इसकी जानकारी दे देते हैं।

निदेशक प्रोफेसर नरेन्द्र मोहन का कहना है कि नियिमित कक्षाओं को लेकर सख्ती की गई है। गैरहाजिर छात्रों को चेतावनी दी जाती है और उनके अभिभावकों को भी बता दिया जाता है। संस्थान में रूरल छात्रों का आरक्षण होता है। अंग्रेजी की विशेष कक्षाएं लगवाई जाती हैं। व्यक्तित्व विकास के लिए सभी को एक टॉपिक पर बोलने और प्रेजेंटेशन तैयार कर इसे प्रेजेंट करने का मौका दिया जाता है।

घर भेज दी जाती है जानकारी

जो छात्र सप्ताह में गैर हाजिर रहते हैं उनके बारे में फौरी जानकारी उनके माता-पिता को भेज दी जाती है। इसके लिए फोन व अन्य माध्यमों का उपयोग किया जाता है। अपने बेटे-बेटियों के बारे में माता-पिता स्वयं ध्यान देते हैं।

कक्षाओं में समय से पहुंचते शिक्षक

छात्रों के साथ शिक्षक-शिक्षिकाओं को भी अपने क्लास रूम में समय से पहुंचना होता है। इनकी क्लास में हाजिरी ली जाती है। अगर कोई शिक्षक किसी दिन गैर हाजिर है तो उसकी वैकल्पिक व्यवस्था भी की जाती है।

कैमरों से कक्षाओं की निगरानी

निदेशक कार्यालय में कैंपस में लगे उच्च क्षमता वाले कैमरों से कक्षाओं की निगरानी की जाती है। यह स्पष्ट हो जाता है कि किस समय किसकी क्लास थी। वहां पढ़ाई हो रही है या नहीं।